खाद्यान्नों का पकड़ा जाना

842. श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्री राम सिंह आरवाल :
श्री यशवन्त सिंह कुशवाह :
श्री ओंकार सिंह :

क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश के विभिन्न राज्यों में 1 मार्च, 1967 से कितने व्यापारी पकड़े गये हैं;

(ख) उनसे कुल कितनी मात्रा में खाद्यान्न पकड़े गये हैं; और

(ग) कितने व्यक्तियों के विरुद्ध मुकदमे चल रहे हैं और कितने व्यक्तियों को छोड़ दिया गया है ?

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अन्नासाहिब शिन्दे): (क) से (ग). राज्य सरकारों/संघ शासित प्रदेशों से सूचना एकत्रित की जा रही है और प्राप्त होने ही सभा के पटल पर रख दी जाएगी ।

दिल्ली में खोया बनाने पर प्रतिबन्ध

843. श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्री ओंकार सिंह :

क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि हरियाणा के फरीदाबाद, पलवल तथा होडल कस्बों से दिल्ली दुग्ध सम्भरण योजना के अन्तर्गत दिल्ली में दू लाया जाता है ;

(ख) यदि हां, तो इन स्थानों स प्रतिदिन कुल कितना दूध लाया जाता है; और

(ग) क्या दूध की कमी क पूरा नेकर के लए सरकार का विचार दिल्ली में खोये के बनाने पर प्रतिबन्ध लगाने का है ?

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अन्नासाहिब शिन्दे) : (क) पलवल तथा होडल से दिल्ली दुग्ध योजना द्वारा थोड़ी मात्रा में दूध एकत्रित किया जा रहा है । फरीदाबाद से दूध नहीं मंगाया जा रहा है ।

(ख) इन स्थानों से 22-5-1967 को लाया गया दूध निम्न प्रकार है :—

पलवल .	22.04 क्विंटल
होडल .	2.43 क्विंटल

(ग) दिल्ली दुग्ध पदार्थ आदेश, 1967 17 मई, 1967 से 31 अगस्त, 1967 तक लागू किया गया है जिसके अन्तर्गत दिल्ली के संघ क्षेत्र में दूध से बनी कुछ वस्तुओं के बनाने, आयात करने, बिक्री करने पर प्रतिबन्ध लगाया गया है ।

बिहार में अकालग्रस्त क्षेत्र

844. श्री विभूति मिश्र :
श्री क० ना० तिवारी :

क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि उन्होंने 20 अप्रैल, 1967 के लगभग बिहार राज्य के मुख्य मंत्री को बिहार राज्य की सरकार द्वारा बिहार के कुछ क्षेत्रों को अकालग्रस्त घोषित करने सम्बन्धी बातचीत करने के लिए दिल्ली बुलाया था; और

(ख) यदि हां, तो बातचीत का ब्यौरा क्या है ?

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अन्नासाहिब शिन्दे) : (क) जी नहीं ।

(ख) प्रश्न ही नहीं उठता ।